प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र

भारतीय प्रायद्वीपीय एक प्राचीन भूखण्ड है, जो स्थिर स्थिति में निर्मित है। यही कारण है कि यहाँ कि नदियों में विसर्पण का अभाव पाया जाता है।

बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ

अरब सागर में गिरने वाली नदियाँ

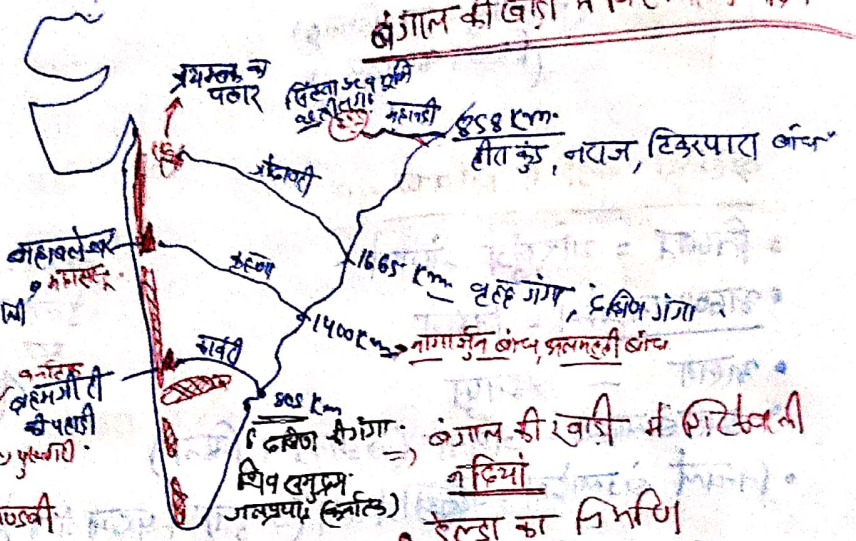

- ज्वारनदमुख / एस्चुरी

Ex - नर्मदा, ताप्ती, माण्डवी, जुआरी, शरावती, पेरियार, भरतपुझा, माही।

बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ

- डेल्टा का निर्माण

Ex - महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी।

- **महानदी** - उद्गम - सिंहावा अपलैण्ड, लम्बाई = 858 km, मुहाना - कटक के पास बंगाल की खाड़ी।

  सहायक नदी → L - शिवनाथ, हसदेव, मांड, इब
  R - ओंग, तेल (दक्षिण की ओर से)

  परियोजना / बांध = हीराकुड, टिकरपारा, नराज।

- **गोदावरी** - उद्गम - ~~[illegible]~~ त्र्यम्बक पठार

  लम्बाई = 1465 km मुहाना - बंगाल की खाड़ी।

  सहायक नदी - L - प्राणहिता, पूर्णा, पेनगंगा, वेनगंगा, वर्धा, इंद्रावती
  R = मंजीरा।

- **कृष्णा नदी** - उद्गम - महाबलेश्वर, लम्बाई = 1401 km

  मुहाना - बंगाल की खाड़ी।

  सहायक नदी - कोयना, पंचगंगा, भीमा, मालप्रभा, मूसी, तुंगभद्रा, घाटप्रभा, दूधगंगा, वरला, वर्णा।

  L - मूसी, भीमा
  R = ~~[illegible]~~ दूधगंगा, तुंगभद्रा, घाटप्रभा, मालप्रभा, कोयना, वरला, वरणा

कावेरी नदी — उद्गम – पुष्पगिरी, ब्रह्मगिरी के निकट

लम्बाई = 805 km. संगम/मुहाना – बंगाल की खाड़ी।

सहायक नदी — L – हेमावती, लोकापावनी, शिमसा, अर्कावती नदी
R = लक्ष्मणतीर्थ, कब्बानी, सुवर्णावती, भवानी, अमरावती नदी।

• इसी नदी पर कर्नाटक राज्य में शिवसमुद्रम जलप्रपात स्थित है।
• प्रायद्वीपीय भारत की एक मात्र ऐसी नदी जिसमें वर्ष भर जल बना रहता है। क्योंकि यह दो मानसून प्रभाव (1 अग्रसर मानसून 2 निवर्तन मानसून) के अन्तर्गत आती है।
• इसके बेसिन धान की खेती की जाती है, जिसे दक्षिण भारत का चावल का कटोरा कहा जाता है।
• इसे दक्षिण गंगा कहा जाता है।

• कावेरी जल विवाद – Trick KKTP.
• कर्नाटक, केरल तमिलनाडु, पुदुच्चेरी।

• स्वर्णरेखा नदी
• उद्गम – छोटानागपुर पठार ल० 395 km, मुहाना – बंगाल की खाड़ी
• इसी पर रांची के समीप हुंडरू प्रपात स्थित है।

• वैतरणी नदी
उद्गम – क्योंझर पठार (उड़ीसा) लम्बाई – 360 km
मुहाना बंगाल की खाड़ी।

• ब्राह्मणी नदी (उद्गम) – छोटानागपुर पठार = ल० 799 km,
मुहाना – (बंगाल की खाड़ी)

• पेन्नार नदी – उद्गम – नन्दीदुर्ग (कर्नाटक), मु० – बंगाल की खाड़ी
(कृष्णा एवं कावेरी के मध्य प्रवाहित होती है।)

सहायक नदी — जयमंगली, कुन्देरू, सागिलेरू, चित्रावती, पापाघ्नी, चेय्येरू।

• वैगाई नदी – उद्गम वरशा पहाड़ी (तमिलनाडु – मदुरै)
संगम/मुहाना = पाक की खाड़ी (मंडपम) • मदुरै इसी के तट पर स्थित।

• ताम्रपर्णी – उद्गम → अगस्त्यमलाई की पहाड़ी (अगस्त्य)
संगम (मुहाना) = मन्नार की खाड़ी – प्रवाल भित्ति, समुद्री वर्षा वन।

• भारत में सर्वाधिक जैव-विविधता यहाँ पर पाया जाता है।
• भारत में स्थल खण्ड पर सर्वाधिक जैव-विविधता केरल की शान्त घाटी में पाया जाता है।

अरब सागर में गिरने वाली नदियाँ

– तीव्रगामी, मौसमी, तीव्र ढाल, एश्चुरी/ज्वारनदमुख नदी।
Ex – नर्मदा एवं ताप्ति नदी

प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र

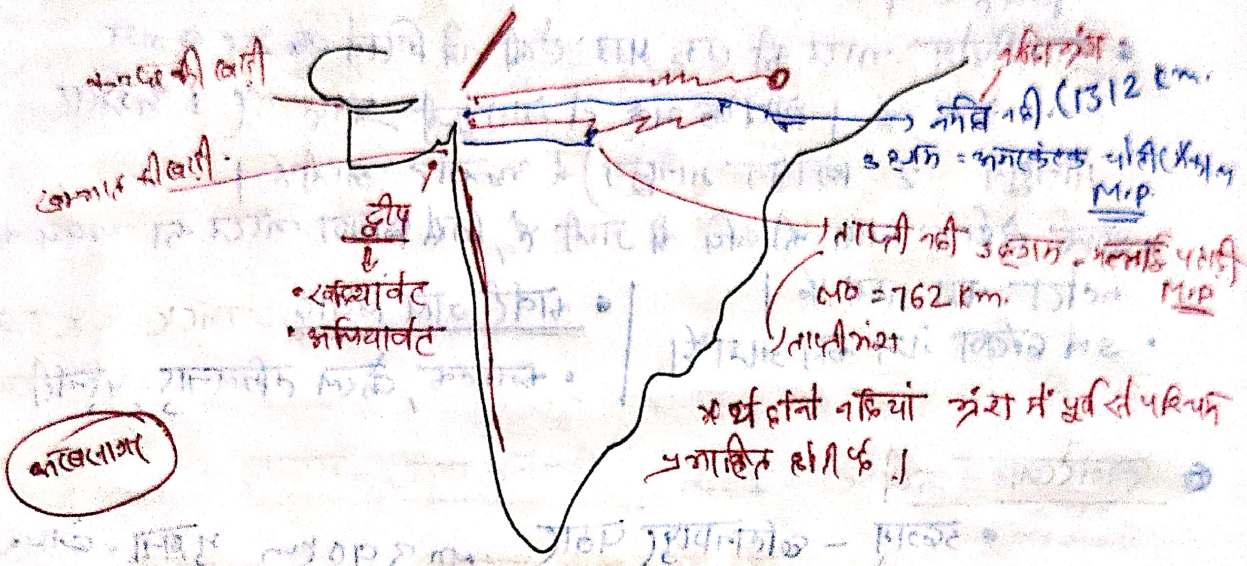

• नर्मदा नदी – उद्गम – अमरकंटक चोटी (मैकाल पहाड़ी) M.P, लम्बाई = 1312 km
मुहाना – खम्भात की खाड़ी (ज्वारनदमुख है/एश्चुरी) का निर्माण
• अरब सागर में गिरने वाली प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लम्बी/बड़ी नदी है।
• नर्मदा नदी के उत्तर में विंध्य श्रेणी तथा दक्षिण में सतपुड़ा श्रेणी स्थित है। जिसके मध्य यह पूर्व से पश्चिम प्रवाहित होती है। (भ्रंश घाटी)
• जबलपुर (M.P.) में धुआंधार/कपिलधारा जलप्रपात का निर्माण करती है।

सहायक नदी – तवा, बरनेर, बैडयार, दूधी, शक्कर, बना, कोलार, माचक, हिरन,

प्रवाह क्षेत्र = M.P = 87%, गुजरात = 11.5%, MH = 1.5%

• ताप्ती / तापि नदी :- उद्गम - सतपुड़ा की मुलताई श्रेणी (सतपुड़ा श्रेणी) MP

जिला- बैतूल , लम्बाई - 724 km.

मुहाना - खम्भात की खाड़ी (उकाईनदपुर / सूरतपुरी का निर्माण करती) इसी के तट पर सूरत नगर स्थित है।

⇒ यह सतपुड़ा श्रेणी एवं अजंता श्रेणी के मध्य भ्रंश घाटी में पूर्व से प० प्रवाहित होती है।

⇒ इसकी प्रमुख सहायक नदी पूर्णा है।

• प्रवाह क्षेत्र = MH = 79%, MP = 15%, GJ = 6%

• साबरमती नदी - उद्गम - राजस्थान में मेवाड़ पहाड़ी से लं० = 320 km.

मुहाना = खम्भात की खाड़ी | इसके तट पर अहमदाबाद नगर

• माही नदी - उद्गम - विन्ध्याचल पर्वत (M.P = धार जिला) लं० = 553 km.

मुहाना - खम्भात की खाड़ी।

सहायक नदी = सोम, जाखम (प्रवाह क्षेत्र - MP, RJ, GJ)

* यह कर्क रेखा को दो बार काटती है।

• लूनी / लूणी नदी = उद्गम - अरावली श्रेणी (नागापर्वत Rajsthan)

मुहाना - कच्छ के रन में विलुप्त (सहायक = सूकड़ी, जवाई, बांडी, मिठड़ी, लिलड़ी)।

• घग्घर नदी - उद्गम = शिवालिक (शिमला - H.P)

मुहाना - हनुमानगढ़ (RJ के भटनेर में विलुप्त।

सह्याद्रि से निकलकर पश्चिम की ओर बहनेवाली नदी।

• गुजरात = शतरंजी नदी, भादर नदी।

• गोवा - माण्डवी, जुवारी, साल (जुआरी+गोवा)

↳ इसका उद्गम कर्नाटक से होता है जो कर्नाटक में दूधसागर जलप्रपात का निर्माण करती तथा माण्डवी तट पर गोवा की राजधानी पणजी स्थित है।

• कर्नाटक - शरावती - काली नदी, गंगावली, बेडती, नेत्रावती।

↳ इसका उद्गम कर्नाटक से होता है जिस पर जोग/जरसोप्पा/गरसोप्पा/महात्मा गाँधी जल प्रपात स्थित है। 270

• केरल - भरतपुझा, पेरियार, पाम्बा

(पोन्नानी) ↳ अन्नामलाई की पहाड़ी, ↳ वेम्बनाड झील, ↳ वेलिंगटन द्वीप = नौकायन प्रतियोगिता